



अधिकतम : 31°C  
न्यूनतम : 24°C

आबरे छुपावा नहीं, छापवा है

C M Y K

# शाह टाइम्स

नई दिल्ली, शनिवार 9 अगस्त 2025 राष्ट्रीय संस्करण: वर्ष 23 अंक 128 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00



विस्तृत खबरों के लिए QR  
कोड स्कैन करें।  
मुफ्त पढ़ E-paper

C M Y K

[www.shahtimesnews.com](http://www.shahtimesnews.com)

shahtimes2015@gmail.com

श्रावण शुक्र पक्ष 14 विक्रमी सम्वत् 2082

14 सप्त 1447 हिज्री

नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुदाबाद, बोरी, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित



मैंने गुप्तकां पर करी प्रतिवाद नहीं  
लगाया: उमर अब्दुल्ला



गिल ने बल्लेबाजी से आलोचकों को  
बखूबी जवाब दिया: पार्थिव पटेल

खेल टाइम्स



प्रकृति के पुत्र और संस्कृति के प्रहरी हैं आदिवासी  
सम्पादकीय



जर्नानी ने इजरायल को हथियार देने पर लगाई शोक  
पेज 12

## यूपी के 24 जिलों में बाढ़, 1245 गांव पानी में

शाह टाइम्स ब्लॉग

नई दिल्ली। उपर के लखनऊ समेत 10 शहरों में शुक्रवार को भी जल बारिश जारी है। लखनऊ में लागात बारिश का शुक्रवार को 7वां दिन था। बाराणसी-बिहार में 12वां तक, लखनऊ-जैनपुर में 8वां तक स्कूल बंद हैं। राज्य की 24 जिलों के 1245 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। अब तक 360 गांव ढाढ़ चुके हैं। हिमाचल प्रदेश में 450 संज्ञान सड़कों बंद हैं। इनमें नेशनल हाईवे 305 और 5

बाराणसी व बिहार में 12वां तक, लखनऊ-जैनपुर में 8वां तक स्कूल बंद हैं।

शामिल हैं राज्य में अब तक (20 जून से 7 अगस्त तक) बाराणसी को जुड़ी घटनाओं में 202 लोगों की मौत हो चुकी है। जारीबड़ में यह आंकड़ा 431 है। बिहार के सुरक्षा गांवों में गांव जालस्तर खतरे के नियाम से ऊपर है। वहां चौड़का स्थान मर्दियां में 6 फीट पानी भरने के बाद सुरक्षा बंद किया गया।

## धराली आपदा: चौथे दिन हेलीकॉप्टर से 300 का देस्तर्यू

मलबे से एक शव बरामद, सर्च अभियान जारी, एनडीएमए के विभागाध्यक्ष राजेंद्र सिंह ने की समीक्षा

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तराखण्ड के आपदा प्रभावित क्षेत्र धराली और बारिश में गहरत और बाचाव कार्य तेजी से चल रहे हैं। धराली व बारिश में आपदा प्रभावित को सुरक्षित निकालने के लिए राहत बाचाव अभियान जारी है।

चिन्नालीसोइ छावाइ पट्टी पर अपवाह 12 बजे तक सेना के स्पाइआई-1 अवृत्ति विनुक्रित रूप से ऊपर है। वहां चौड़का स्थान मर्दियां में 6 फीट पानी भरने के बाद सुरक्षा बंद किया गया।

सेना के ये हेलीकॉप्टर ना सिर्फ़



लिमचिंगाड़ में बैती ब्रिज बनाने के कार्य प्रारंभ, पीड़ितों को दी जा रही हर

संभव मदद, फंसे हुए लोगों को तेजी से निकाला जा रहा

उपरकों को सुरक्षित निकाल रहे

उपरकों को भी मौके पर पहुंचा प्रशांत आर्या के अनुसार मलबे से

उपरकों को भी बाहिल कर दी जाएगी।

सीएम धामी का उत्तरकाशी में प्रवास

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तीन दिन से उत्तरकाशी में ही प्रवास कर रुद्ध स्तर पर चल रहे रेस्क्यू अभियान को निरंतर मौसिनीरिंग कर रहे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री प्रोटोकॉल को छोड़ आम आदमी को तरह आपदा प्रभावित क्षेत्र में जल्द ही बिजली भी बाहिल कर दी जाएगी।

अत्याधिक उपकरणों से हो रही खोज

उत्तराखण्ड पुलिस द्वारा धराली आपदा प्रभावित क्षेत्र में अत्याधिक उपकरणों जैसे विक्रिय लाकर्टिंग के मार्ग, थर्मल इन्फ्रारेड कैमरे और डॉग स्क्रापर्ड टीम के साथ मलबे से क्षतिग्रस्त भवनों में गहन खोजबान कर मलबे में दबे लोगों की तलाश की जा रही है।

अत्याधिक उपकरणों से हो रही खोज

उत्तराखण्ड पुलिस द्वारा धराली आपदा प्रभावित क्षेत्र में अत्याधिक उपकरणों जैसे विक्रिय लाकर्टिंग के मार्ग, थर्मल इन्फ्रारेड कैमरे और डॉग स्क्रापर्ड टीम के साथ मलबे से क्षतिग्रस्त भवनों में गहन खोजबान कर मलबे में दबे लोगों की तलाश की जा रही है।

और कई लोग अभी भी लापता हैं, जारी है। डीएम ने बताया कि जिनकी तलाश में संभव ऑपरेशन गुरुवार को -शेष पृष्ठ दो पर

## ट्रम्प की दृक्ष ने थामा भारत का हाथ, अमेरिका हैदरान

चीन ने भारत पर लगे अमेरिकी टैरिफ़ की निंदा की है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुआंग चिनाकून्तु वित्त वर्ष 2025-26 में साल में नौ रिपोर्ट पर 300 रुपये प्रति सिलेंडर की सब्सिडी दी जायगी। इसके लिए 12,000 करोड़ रुपये के प्रवासीयां के मज़ज़र हो गई हैं।

केंद्र ने वापस लिया आयकर विधेयक, प्रवर समिति की रिपोर्ट के बाद फैसला लिया गया था। बताया जा रहा है कि नवा

विधेयक 11 अगस्त को

लोकसभा में पेश किया जाएगा।

केंद्र सकाराने आयकर विधेयक 2025 का बास्तव ले लिया है। विधेयक को जांच के लिए चार बाढ़ यह फैसला लिया गया था। इस विधेयक को फरवरी में लोकसभा में पेश किया गया था। बताया जा रहा है कि नवा

विधेयक 11 अगस्त को

लोकसभा में पेश किया जाएगा।

केंद्र सकाराने आयकर विधेयक 2025 का बास्तव ले लिया है। विधेयक को जांच के लिए चार बाढ़ यह फैसला लिया गया था। इस विधेयक को फरवरी में लोकसभा में पेश किया जाएगा।

केंद्र सकाराने आयकर विधेयक 2025 का बास्तव ले लिया है। विधेयक को जांच के लिए चार बाढ़ यह फैसला लिया गया था। इस विधेयक को फरवरी में लोकसभा में पेश किया जाएगा।

केंद्र सकाराने आयकर विधेयक 2025 का बास्तव ले लिया है। विधेयक को जांच के लिए चार बाढ़ यह फैसला लिया गया था। इस विधेयक को फरवरी में लोकसभा में पेश किया जाएगा।

केंद्र सकाराने आयकर विधेयक 2025 का बास्तव ले लिया है। विधेयक को जांच के लिए चार बाढ़ यह फैसला लिया गया था। इस विधेयक को फरवरी में लोकसभा में पेश किया जाएगा।

केंद्र सकाराने आयकर विधेयक 2025 का बास्तव ले लिया है। विधेयक को जांच के लिए चार बाढ़ यह फैसला लिया गया था। इस विधेयक को फरवरी में लोकसभा में पेश किया जाएगा।

केंद्र सकाराने आयकर विधेयक 2025 का बास्तव ले लिया है। विधेयक को जांच के लिए चार बाढ़ यह फैसला लिया गया था। इस विधेयक को फरवरी में लोकसभा में पेश किया जाएगा।

केंद्र सकाराने आयकर विधेयक 2025 का बास्तव ले लिया है। विधेयक को जांच के लिए चार बाढ़ यह फैसला लिया गया था। इस विधेयक को फरवरी में लोकसभा में पेश किया जाएगा।

केंद्र सकाराने आयकर विधेयक 2025 का बास्तव ले लिया है। विधेयक को जांच के लिए चार बाढ़ यह फैसला लिया गया था। इस विधेयक को फरवरी में लोकसभा में पेश किया जाएगा।

केंद्र सकाराने आयकर विधेयक 2025 का बास्तव ले लिया है। विधेयक को जांच के लिए चार बाढ़ यह फैसला लिया गया था। इस विधेयक को फरवरी में लोकसभा में पेश किया जाएगा।

केंद्र सकाराने आयकर विधेयक 2025 का बास्तव ले लिया है। विधेयक को जांच के लिए चार बाढ़ यह फैसला लिया गया था। इस विधेयक को फरवरी में लोकसभा में पेश किया जाएगा।

केंद्र सकाराने आयकर विधेयक 2025 का बास्तव ले लिया है। विधेयक को जांच के लिए चार बाढ़ यह फैसला लिया गया था। इस विधेयक को फरवरी में लोकसभा में पेश किया जाएगा।

केंद्र सकाराने आयकर विधेयक 2025 का बास्तव ले लिया है। विधेयक को जांच के लिए चार बाढ़ यह फैसला लिया गया था। इस विधेयक को फरवरी में लोकसभा में पेश किया जाएगा।

केंद्र सकाराने आयकर विधेयक 2025 का बास्तव ले लिया है। विधेयक को जांच के लिए चार बाढ़ यह फैसला लिया गया था। इस









# सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डीएम का औचक निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता  
हापुड़। डीएम अधिकारी पांडेय ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उनके इस महिला मरीजों ने उत्तर्वाचार की किया। अस्पताल में कठ दबावायें उपलब्ध नहीं हैं। इस पर डीएम ने सखा नामांगी जारी और तुरंत दबावायें मुद्दे या करने के निर्देश दिया।

डीएम ने करीब दो घंटे तक चले इस निरीक्षण के अस्पताल की सुविधाओं, दबावायों की सुविधाओं से जायजा लिया। उन्होंने स्टाफ की कार्यकारी सीधारण को फॉन पर यह सुनिश्चित करने की कहा कि सभी सीधारणों में दबावायों का पर्याप्त स्टॉक हो। डीएम ने सीटी स्टॉक, अट्टॉसार्टेड, ऑटी, एसएनसीयू और एनसीडी वार्ड की भी जायजा लिया। उन्होंने मरीजों की वैदिक ट्रिटमेंट देखी और स्वास्थ्यकर्मियों को समय पर जांच प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिया। डीएम के इस निरीक्षण का उद्देश्य अस्पताल में व्यवस्था सुधारना और की ओर पूछा कि क्या डिक्टिव बाहर



मरीजों को बहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराना था। उन्होंने सभी स्वास्थ्यकर्मियों को अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सर्कार रहने की हिदायत दी।

## डीएम ने जन चौपाल लगाकर सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

शाह टाइम्स संवाददाता  
हापुड़। डीएम अधिकारी पांडेय ने गढ़मुक्तश्वर विकासमंडल की ग्राम पंचायत भावावी उफ़ लिसीही में एक अवधिकारी के लिए जूनीन, और गलियों में पानी का जामाव, पेंशन और क्रियान सम्पादन निधि का लाभ न मिलने वाली को उदाया। डीएम ने उत्तर्वाचार की साथ-साथ उसके बच्चों को भी स्कॉलरशिप दिलाने समाजन के लिए निर्देश किया।

जन चौपाल में ग्रामीणों ने कब्रिस्तान के लिए जूनीन, लियां और गलियों में पानी का जामाव, पेंशन और क्रियान सम्पादन निधि का लाभ न मिलने वाली को उदाया। डीएम ने उत्तर्वाचार की साथ-साथ उसके बच्चों को भी स्कॉलरशिप दिलाने समाजन के लिए निर्देश किया। डीएम ने एक ग्राम छात्र काला को पढ़ाइ में मदर जनकी गांव में खल के बीच के उदाया की ओर जानकारी भी दी। जन चौपाल में एक ग्रामीण अजहरदीन ने बताया कि उनकी गली में बिजली के तार

नगे लटके हैं, जिससे बरसात में कटरेलेन का खतरा रहता है। इस पर डीएम ने बिजली विधाया के अधिकारी को तुरंत कार्रवाई करने की आदेश दिया। उन्होंने एक अलावा मात्री कला के तहत पटटा उपलब्ध कराने की मांग पर डीएम ने पटा नंबर 72 की जांच करके पटा देने के निर्देश दिया। जन चौपाल में अर्चना नामक महिला ने बताया कि पति की मृत्यु के बाद उसे क्रियान सम्पादन निधि का लाभ नहीं मिल रहा है। डीएम ने उसे जूनीन का लाभ दिलाने के साथ-साथ उसके बच्चों को भी स्कॉलरशिप दिलाने का आश्वासन दिया। डीएम ने एक ग्राम छात्र काला को पढ़ाइ में मदर जनकी गांव में खल के बीच के उदाया की ओर जानकारी भी दी। जन चौपाल में एक ग्रामीण अजहरदीन ने बताया कि उनकी गली में बिजली के तार



प्रशिक्षण देकर उसके रोजगार को बढ़ावा देने के लिए भी निर्देश दिया। जन चौपाल के अंत में जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधान से उन परिवारों की स्वयं सहायता समझौते की माध्यम से

स्कूली मांगों, जिनके माता-पिता की मृत्यु कोरोना काल में हुई थीं, ताकि उनके बच्चों को भी स्कॉलरशिप दिया जाए। जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधान से उन परिवारों की बढ़ावा देने के लिए भी निर्देश दिया।

मरीजों को बहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराना था। उन्होंने सभी

## सरस्वती मेडिकल कॉलेज में झूग विभाग की छापेमारी

शाह टाइम्स संवाददाता  
हापुड़। अनवरपुरु में स्थित सरस्वती मेडिकल कॉलेज एक बार फिर प्रशासनिक जांच के दायरे में आ गया है। इस बार यह मामला कॉलेज परिसर में मौजूद मेंडिकल स्टोरर से जुड़ा है।

जानकारी के अनुसार झूग इंस्पेक्टर ने शुक्रवार को मेंडिकल स्टोर पर एक छापेमारी की ओर चार दवाओं के सैपल जांच के लिए लिया। इस दीर्घ दवाओं के सैपल जांच के लिए रजिस्टर, उनकी एक्सप्रेसायर डेट, लाइसेंस और अन्य जारी दस्तावेजों की बारीकी से जांच की गई। बहुत कार्रवाई देखी गयी। जिसमें आजीवन कारावाई और लाइसेंस की कमी पाई गयी थी। इस गांवीर उल्लंघनों के बावजूद, कोई कड़ी कार्रवाई नहीं हुई। अब दवाओं की गुणवत्ता पर सवाल उठाने से कॉलेज पर सदह और भी गहरा हो गया है। अगर दवाओं के सैपल जांच में फेल होते हैं तो वह और धूपचारी एवं प्रसाधन समीकी अधिनियम, 1940 के तहत एक गांवीर अपाध द्वारा होगा। जिसमें आजीवन कारावाई और भारी आरोप लगे हुए हैं। जानकारी के अनुसार कुछ महीने पहले कॉलेज में एक छात्र की इलाज के दौरान मौत होना है कि प्रशासन रसूखदार

हो गई थी। हालांकि, एक जांच टीम का गठन हुआ था, लेकिन छात्रों की मौत की वजह और जिम्मेदारी आज तक तय नहीं हो पाई। फूड विभाग ने गया है। इस बार यह मामला कॉलेज परिसर में मौजूद मेंडिकल स्टोरर से जुड़ा है।

जानकारी के अनुसार झूग इंस्पेक्टर ने शुक्रवार को मेंडिकल स्टोर पर एक छापेमारी की ओर चार दवाओं के सैपल जांच के लिए लिया। इस दीर्घ दवाओं के सैपल जांच के लिए रजिस्टर, उनकी एक्सप्रेसायर डेट, लाइसेंस और अन्य जारी दस्तावेजों की बारीकी से जांच की गई। बहुत कार्रवाई देखी गयी। जिसमें आजीवन कारावाई और लाइसेंस की कमी पाई गयी थी। इस गांवीर उल्लंघनों के बावजूद, कोई कड़ी कार्रवाई नहीं हुई। अब दवाओं की गुणवत्ता पर सवाल उठाने से कॉलेज पर सदह और भी गहरा हो गया है। अगर दवाओं के सैपल जांच में फेल होते हैं तो वह और धूपचारी एवं प्रसाधन समीकी अधिनियम, 1940 के तहत एक गांवीर अपाध द्वारा होगा। जिसमें आजीवन कारावाई और भारी आरोप लगे हुए हैं। जानकारी के अनुसार कुछ महीने पहले कॉलेज में एक छात्र की इलाज के दौरान मौत होना है कि प्रशासन रसूखदार

हो गई थी। हालांकि, एक जांच टीम का गठन हुआ था, लेकिन छात्रों की मौत की वजह और जिम्मेदारी आज तक तय नहीं हो पाई। फूड विभाग ने गया है। इस बार यह मामला कॉलेज परिसर में मौजूद मेंडिकल स्टोरर से जुड़ा है।

जानकारी के अनुसार झूग इंस्पेक्टर ने शुक्रवार को मेंडिकल स्टोरर पर एक छापेमारी की ओर चार दवाओं के सैपल जांच के लिए लिया। इस दीर्घ दवाओं के सैपल जांच के लिए रजिस्टर, उनकी एक्सप्रेसायर डेट, लाइसेंस और अन्य जारी दस्तावेजों की बारीकी से जांच की गई। बहुत कार्रवाई देखी गयी। जिसमें आजीवन कारावाई और लाइसेंस की कमी पाई गयी थी। इस गांवीर उल्लंघनों के बावजूद, कोई कड़ी कार्रवाई नहीं हुई। अब दवाओं की गुणवत्ता पर सवाल उठाने से कॉलेज पर सदह और भी गहरा हो गया है। अगर दवाओं के सैपल जांच में फेल होते हैं तो वह और धूपचारी एवं प्रसाधन समीकी अधिनियम, 1940 के तहत एक गांवीर अपाध द्वारा होगा। जिसमें आजीवन कारावाई और लाइसेंस की कमी पाई गयी थी। इस गांवीर उल्लंघनों के बावजूद, कोई कड़ी कार्रवाई नहीं हुई। अब दवाओं की गुणवत्ता पर सवाल उठाने से कॉलेज पर सदह और भी गहरा हो गया है। अगर दवाओं के सैपल जांच में फेल होते हैं तो वह और धूपचारी एवं प्रसाधन समीकी अधिनियम, 1940 के तहत एक गांवीर अपाध द्वारा होगा। जिसमें आजीवन कारावाई और लाइसेंस की कमी पाई गयी थी। इस गांवीर उल्लंघनों के बावजूद, कोई कड़ी कार्रवाई नहीं हुई। अब दवाओं की गुणवत्ता पर सवाल उठाने से कॉलेज पर सदह और भी गहरा हो गया है। अगर दवाओं के सैपल जांच में फेल होते हैं तो वह और धूपचारी एवं प्रसाधन समीकी अधिनियम, 1940 के तहत एक गांवीर अपाध द्वारा होगा। जिसमें आजीवन कारावाई और लाइसेंस की कमी पाई गयी थी। इस गांवीर उल्लंघनों के बावजूद, कोई कड़ी कार्रवाई नहीं हुई। अब दवाओं की गुणवत्ता पर सवाल उठाने से कॉलेज पर सदह और भी गहरा हो गया है। अगर दवाओं के सैपल जांच में फेल होते हैं तो वह और धूपचारी एवं प्रसाधन समीकी अधिनियम, 1940 के तहत एक गांवीर अपाध द्वारा होगा। जिसमें आजीवन कारावाई और लाइसेंस की कमी पाई गयी थी। इस गांवीर उल्लंघनों के बावजूद, कोई कड़ी कार्रवाई नहीं हुई। अब दवाओं की गुणवत्ता पर सवाल उठाने से कॉलेज पर सदह और भी गहरा हो गया है। अगर दवाओं के सैपल जांच में फेल होते हैं तो वह और धूपचारी एवं प्रसाधन समीकी अधिनियम, 1940 के तहत एक गांवीर अपाध द्वारा होगा। जिसमें आजीवन कारावाई और लाइसेंस की कमी पाई गयी थी। इस गांवीर उल्लंघनों के बावजूद, कोई कड़ी कार्रवाई नहीं हुई। अब दवाओं की गुणवत्ता पर सवाल उठाने से कॉलेज पर सदह और भी गहरा हो गया है। अगर दवाओं के सैपल जांच में फेल होते हैं तो वह और धूपचारी एवं प्रसाधन समीकी अधिनियम, 1940 के तहत एक गांवीर अपाध द्वारा होगा। जिसमें आजीवन कारावाई और लाइसेंस की कमी पाई गयी थी। इस गांवीर उल्लंघनों के बावजूद, कोई कड़ी कार्रवाई नहीं हुई। अब दवाओं की गुणवत्ता पर सवाल उठाने से कॉलेज पर सदह और भी गहरा हो गया है। अगर दवाओं के सैपल जांच में फेल होते हैं तो वह और धूपचारी एवं प्रसाधन समीकी अधिनियम, 1940 के तहत एक गांवीर अपाध द्वारा होगा। जिसमें आजीवन कारावाई और लाइसेंस की कमी पाई गयी थी। इस गांवीर उल्लंघनों के बावजूद, कोई कड़ी कार्रवाई नहीं हुई। अब दवाओं की गुणवत्ता पर सवाल उठाने से कॉलेज पर सदह









## टैरिफ की गुंज

ट्रम्प के टैरिफ को लेकर दुनिया भर में हाहाकार मचा हुआ है। दुश्मन का दुश्मन दोस्त की तर्ज पर कुछ देश साथ आते भी दिखाई दे रहे हैं। इसी के चलते चीन ने भारत पर लगे अमेरिकी टैरिफ का निंदा की। चीन के विदेश मंत्रालय ने इसे टैरिफ का दुरुपयोग करार दिया। चीन का कहना है कि वह सीधे तौर पर टैरिफ के गलत इस्तेमाल के खिलाफ है और अमेरिका को तकनीकी और व्यापारिक युद्धों का गजनीतिकरण बंद करना चाहए। दूसरे तरफ डोनाल्ड ट्रम्प टैरिफ को लेकर जरा भी पीछे हटते दिखाई नहीं दे रहे हैं, बल्कि अगर यह कहते कि वह हर दिन और आक्रमक मुद्रा में आ रहे हैं तो गलत हीं होंगा।

गुरुवार को जहां उन्होंने भारत पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगाया था, 25 प्रतिशत का टैरिफ वह 30 जुलाई को ही लगा चुके थे और 6 अगस्त को उन्होंने 25 प्रतिशत का इजाफा इसलाए किया, ज्यांकि भारत ने रुस से ट्रम्प की आजानुसार तेल खरीदना बंद नहीं किया और 7 अगस्त को ट्रम्प ने एक तरह से भारत को यह कहकर धमकी दी कि वह टैरिफ को लेकर भारत के साथ कोई बातचीत नहीं करेगा। ट्रम्प ने साफ कहा है कि जब तक टैरिफ विवाद को लाने वाले आंदोलन के आड़वाले से बाहर नहीं हो गी। ट्रैड को लेकर भारत-अमेरिका के बीच पांच गुड़ की बात अभी तक हो चुकी है और बताया जा रहा है कि छठे गुड़ की चर्चा 25 अगस्त को होनी थी। इसके लिए अमेरिका के अधिकारियों का एक दल भारत आना था। अब उसका यह दौरा संशय में पड़ गया है। हालांकि अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा है कि भारत हमारा रणनीतिक साझेदार है। विभाग के प्रवक्ता टार्मी पिंगाट का कहना है कि भले ही टैरिफ विवाद से दोनों देशों में तनाव बना हुआ है। लेकिन बातचीत जारी रहेगी। अमेरिका को साथ स्पष्ट और खुली बातचीत कर रहा है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि ट्रम्प ने व्यापार अस्तुलन और रूसी तेल की खरीद को लेकर अपनी चिठ्ठाएं बहुत स्पष्ट तरीके से जाहिर कर दी हैं और साथ ही सीधी कर्तव्यांशी की ही तरफ था।

मतलब साफ है कि अमेरिका एक तरफ धमकी देता दिखाई दे रहा है और बातचीत बंद करने को कह रहा है तो वहीं दूसरी तरफ वह बातचीत जारी रखने की बात भी कह रहा है। इससे साफ है कि अमेरिका खुद असमंजस की स्थिति में है। वहीं दूसरी तरफ ट्रम्प के इस रूप से ने ब्रिक्स को काफी निकट ला दिया है। जहां चीन भारत के पक्ष में खड़ा दिखाई दे रहा है। वहीं, रूस के ग्राउंटर व्हाइटमीर पुतिन से शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी की बात हुई। टेलीफोन पर हुई बातचीत में पीएम मोदी ने श्री पुतिन को इस वर्ष के अंत में 23वें भारत-रुस वार्ता शिखर सम्मेलन के लिए भारत आने का निमंत्रण भी दिया, जिसको उन्होंने स्वीकार कर लिया। ब्राजील के ग्राउंटर लला दा रिस्लावा ने भी पीएम मोदी से फोन पर बात चीत की है और मोदी जालात में ट्रम्प के टैरिफ को लेकर जो चुनौती पेश आ रही है, उनसे निपटने पर चर्चा की। जाहिर है जो भी कुछ हो रहा है, उसको जरा भी ठीक नहीं कहा जा सकता, जिस तरह का खेल ट्रम्प का अब तक रहा है, वह छाटे देशों के पूरी तरह विपरीत जाता है।

### किसी भी पुस्तक पर प्रतिबंध नहीं लगाया



मैंने कभी भी किसी भी पुस्तक पर प्रतिबंध नहीं लगाया है और न भविष्य में पुस्तक पर प्रतिबंध लगाने जैसा काम करेंगे, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने ही प्रशंसित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय लेखकों की 25 पुस्तकों पर प्रतिबंध लगाया है, प्रतिबंध उपराज्यपाल सिन्हा ने अपने एकमात्र आधिकारिक नियंत्रण के उपराज्यपाल प्रशासन ने कश्मीर पर लियो 25 किताबों को यह कहते हुए जबक कर लिया कि वे जम्मू-कश्मीर के बारे में ज्ञाते आख्यान और अलगाववाद का प्रचार करती हैं।

-उमर अब्दुल्ला  
मुख्यमंत्री, जम्मू-कश्मीर

**वि**

श्व आदिवासी दिवस, 9 अगस्त, केवल एक सर्वधनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि यह सभ्यता की जड़ों और संवेदनशीलता के प्रांतों को स्मरण करने का दिन है। यह दिन न केवल आदिवा-सियों के अस्तित्व, अधिकारों यानी जल, जंगल, जमीन और उनके जीवन की रक्षा का उद्देश्य है, बल्कि यह नए भारत के पुनर्जीवन में उनके अमूल्य योगदान को रखाकर करने का भी अवसर है। आदिवासी समाज काई पिछड़ा सूखा नहीं, बल्कि वह सांस्कृतिक ऊर्जा का अक्षय सो रहा है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर पर्यावरण रक्षा तक, समाजिक समस्याओं से लेकर आव्यासिक परंपराओं तक, हर दिन में रक्तांत्रिक परिवर्तन के खिलाफ है।

आदिवासी समाज के पृथक् और संस्कृति के प्रहरी हैं। जो प्रकृति से जड़ा है, वही मनुष्यत्व का संरक्षक है—यह वाच्य आदिवासी समाज पर अक्षरतः लागू होता है। आदिवासी शब्द मात्र एक सामाजिक पहचान नहीं है, बल्कि एक दर्शनीय सहायता, समूहिता, संतुलन का गठन है। आदिवासी समाज का घराना नहीं है, सहायता और समूहिता है। आदिवासी समाज के गठन ने गठन ये सभी उक्त प्रयोगों का हिस्सा हैं। उनका जीवन सभ्यता के केंद्र से नहीं, बल्कि संचालन का समूहिता है। उनके जीवन सभ्यता के केंद्र से नहीं, बल्कि संचालन के मूल से सहायता है। उनका जीवन सभ्यता के बाहर से नहीं, बल्कि उनकी जीवन सभ्यता के बाहर है। उनकी जीवन सभ्यता के बाहर से नहीं, बल्कि उनकी जीवन सभ्यता के बाहर है। उनकी जीवन सभ्यता के बाहर से नहीं, बल्कि उनकी जीवन सभ्यता के बाहर है।

आज आदिवासी समाज के जिनाना खतरा बाहर आवायी और राजनीतिक शोषण से है, उससे कहाँ अधिक सांस्कृतिक विवरण के बाहर निकालकर स्वाभाविक जीवन की रक्षा दिखाता है। नए भारत में विकास का पर्याय यहि केवल बहुराष्ट्रीय विवेश, चक्रवीरी समाज के जिनाना खतरा बाहर आवायी और राजनीतिक शोषण से है, उससे कहाँ अधिक सांस्कृतिक विवरण के बाहर निकालकर स्वाभाविक जीवन की रक्षा दिखाता है। नए भारत में विकास का पर्याय यहि केवल बहुराष्ट्रीय विवेश, चक्रवीरी समाज के जिनाना खतरा बाहर आवायी और राजनीतिक शोषण से है, उससे कहाँ अधिक सांस्कृतिक विवरण के बाहर निकालकर स्वाभाविक जीवन की रक्षा दिखाता है। आज आदिवासी समाज के जिनाना खतरा बाहर आवायी और राजनीतिक शोषण से है, उससे कहाँ अधिक सांस्कृतिक विवरण के बाहर निकालकर स्वाभाविक जीवन की रक्षा दिखाता है।

इस दिशा में जुगत को प्रसिद्ध जैन संत गणित राजेन्द्र विजयजी का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उनका जीवन आदिवासी क्षेत्रों के लिए संघर्ष, संवाद और सद्भाव की त्रैया बन गया है। वे वर्षों से आदिवासी समाज के उद्धारन हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य, नशामुक्ति, बोगार और शिक्षण के निकट ले दिया है। जहां चीन भारत के पक्ष में खड़ा दिखाई दे रहा है। उनसे निपटने पर चर्चा की। जाहिर है जो भी कुछ हो रहा है, उसको जरा भी ठीक नहीं कहा जा सकता, जिस तरह का खेल ट्रम्प का अब तक रहा है, वह छाटे देशों के पूरी तरह विपरीत जाता है।

आज जब दुनिया की बड़ी बातें बदल रही हैं, जैसे डिजिटल रूप से संरक्षित किया जाता है, उनकी जीवन सभ्यता के बाहर है। उनकी जीवन सभ्यता के बाहर है।

आज जब दुनिया की बड़ी बातें बदल रही हैं, जैसे डिजिटल रूप से संरक्षित किया जाता है, उनकी जीवन सभ्यता के बाहर है। उनकी जीवन सभ्यता के बाहर है।

आज जब दुनिया की बड़ी बातें बदल रही हैं, जैसे डिजिटल रूप से संरक्षित किया जाता है, उनकी जीवन सभ्यता के बाहर है। उनकी जीवन सभ्यता के बाहर है।

आज जब दुनिया की बड़ी बातें बदल रही हैं, जैसे डिजिटल रूप से संरक्षित किया जाता है, उनकी जीवन सभ्यता के बाहर है। उनकी जीवन सभ्यता के बाहर है।

आज जब दुनिया की बड़ी बातें बदल रही हैं, जैसे डिजिटल रूप से संरक्षित किया जाता है, उनकी जीवन सभ्यता के बाहर है। उनकी जीवन सभ्यता के बाहर है।

आज जब दुनिया की बड़ी बातें बदल रही हैं, जैसे डिजिटल रूप से संरक्षित किया जाता है, उनकी जीवन सभ्यता के बाहर है। उनकी जीवन सभ्यता के बाहर है।

आज जब दुनिया की बड़ी बातें बदल रही हैं, जैसे डिजिटल रूप से संरक्षित किया जाता है, उनकी जीवन सभ्यता के बाहर है। उनकी जीवन सभ्यता के बाहर है।

आज जब दुनिया की बड़ी बातें बदल रही हैं, जैसे डिजिटल रूप से संरक्षित किया जाता है, उनकी जीवन सभ्यता के बाहर है। उनकी जीवन स

